

---

.. Dhruvasuktam Rigveda ..

॥ ध्रुवसूक्तम् ॥

Document Information



---

Text title : dhruvasUktam Rigvede

File name : dhruvasUktam.itx

Category : sUkta

Location : doc\_veda

Author : Vedic Tradition

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Proofread by : NA

Description-comments : Rigveda Mandala 10, sUkta 173-174 OR Ashtaka 8, Adhyaya 8, 31-32

Latest update : August 24, 2012

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 12, 2016

*sanskritdocuments.org*

---

## ॥ ध्रुवसूक्तम् ॥

आ त्वाहार्षमन्तरेधि ध्रुवस्तिष्ठाविचाचलिः ।  
विशस्त्वा सर्वा वाञ्छन्तु मा त्वद्राष्ट्रमधि भ्रशत् ॥ १०.१७३.०१  
इहैवैधि माप च्योष्ठाः पर्वत इवाविचाचलिः ।  
इन्द्र इवेह ध्रुवस्तिष्ठेह राष्ट्रमु धारय ॥ १०.१७३.०२  
इममिन्द्रो अदीधरद् ध्रुवं ध्रुवेण हविषा ।  
तस्मै सोमो अधि ब्रवत्तस्मा उ ब्रह्मणस्पतिः ॥ १०.१७३.०३  
ध्रुवा द्यौर्ध्रुवा पृथिवी ध्रुवासः पर्वता इमे ।  
ध्रुवं विश्वमिदं जगद् ध्रुवो राजा विशामयम् ॥ १०.१७३.०४  
ध्रुवं ते राजा वरुणो ध्रुवं देवो बृहस्पतिः ।  
ध्रुवं त इन्द्रश्चाग्निश्च राष्ट्रं धारयतां ध्रुवम् ॥ १०.१७३.०५  
ध्रुवं ध्रुवेण हविषाभि सोमं मृशामसि ।  
अथो त इन्द्रः केवलीर्विशो बलिहृतस्करत् ॥ १०.१७३.०६  
अभीवर्तेन हविषा येनेन्द्रो अभिवावृते ।  
तेनास्मान्ब्रह्मणस्पतेऽभि राष्ट्राय वर्तय ॥ १०.१७४.०१  
अभिवृत्य सपत्नानभि या नो अरातयः ।  
अभि पृतन्यन्त तिष्ठाभि यो न इरस्यति ॥ १०.१७४.०२  
अभि त्वा देवः सविताभि सोमो अवीवृतत् ।  
अभि त्वा विश्वा भूतान्यभीवर्तो यथाससि ॥ १०.१७४.०३  
येनेन्द्रो हविषा कृत्यभवद् द्युम्युत्तमः ।  
इदं तदक्रि देवा असपत्नः किलाभुवम् ॥ १०.१७४.०४  
असपत्नः सपत्नहाभिराष्ट्रो विषासहिः ।  
यथाहमेषां भूतानां विराजानि जनस्य च ॥ १०.१७४.०५

Rigveda Mandala 10, sUkta 173-174

Ashtaka 8, Adhyaya 8, 31-32

.. Dhruvasuktam Rigveda ..

was typeset on August 12, 2016

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

